केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १५ जुलाई, २०१८ **समय : दोपहर २.०० से ५.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (५)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रवीण - २

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''गढ़डा मत जाओ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

२. ''इस कल्याणदास का नाम पत्र में नहीं था।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

३. ''जिससे मेरा जीवन धन्य बने।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. भागवतधर्म के पोषक परम एकांतिक संत ही है।

२. महाराज ने भगुजी को बंधिया भेजा।

३. अक्षरब्रह्मरूप होने के बाद ही जीव पुरुषोत्तम की भक्ति के अधिकारी बन सकते हैं।

४. प्रत्येक सत्संगी हररोज़ ध्यानचिंतामणि का पाठ करते है।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. नैष्ठिक ब्रह्मचारी साधुओं के विशेष धर्म **अथवा** २. मछियाव की बुआजी

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. संप्रदाय के शास्त्र : वेदरस **अथवा** ४. उपास्य स्वरूप पुरुषोत्तमनारायण का महिमा (उपासना)

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम	प्र - ४ गुण - ६		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. रामबाई को भगवान स्वामिनारायण के प्रति कैसी निष्ठा थी ? गुण : १

....

....

२. जनमंगलस्तोत्रम् में १ से ९ तक के नाम क्या उजागर करते हैं ? गुण : १

....

....

३. श्रीकृष्ण ने अपने को वश करने के लिए क्या बताया है ? गुण : १

....

....

४. प्रभाती पद किसने लीखे हैं ? गुण : १

....

....

५. कौन से दो वचनामृत में श्रीजीमहाराज ने सोमला खाचर की प्रशंसा की है ? गुण : १

....

....

६. बिगाड़े हुए चबूतरे को देखकर उका खाचर ने क्या किया ? गुण : १

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ५ 'भगवान जीवों के गुनाहों....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : पार्षद

१. स्वामिनारायण के साधु मान-अपमान में भी अपना कार्य अविरत रूप से गतिमान रखते हैं। **२.** साधु सत्संग के आधारसत्संभ हैं। **३.** श्रीजीमहाराज के अंगरक्षक भगुजी, मियांजी, रतनजी आदि पार्षद थे। **४.** मंदिर के धन से आवश्यक व्यवस्था करने की भी संमति थी। **५.** साधु के द्वारा भागवत धर्म का पोषण होता है। **६.** बी.ए.पी.एस. में श्वेत वस्त्रधारी पार्षदों को भी काषाय वस्त्रधारी साधुओं के समान ही नियम दिए हैं। **७.** पहले ये पार्षद सिले हुए वस्त्र पहन सकते थे। **८.** साधक को दो-दो की जोड़ी में ही रहना-फिरना चाहिए। **९.** ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज तथा योगीजी महाराज ने पार्षद पंक्ति के त्यागीवर्ग के नियमों में कुछ सुधार किया। **१०.** नाजा जोगिया, जोबन पगी आदि पार्षद थे। **११.** पार्षदों को भी ब्रह्मचर्यपरायण रहना होता है। **१२.** पार्षद स्त्री का स्पर्श व धन का संग्रह कर सकता है।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम् / कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री ध्याननिष्ठाय नमः .....

..... ॐ श्री पाषण्डोच्छेदनपटवे नमः। गुण : २

२. जयसि कमलापति .....

..... गरुडगामी ॥ गुण : २

३. साध्वीचकोर

..... शरणं प्रपद्ये ॥ गुण : २

४. आसामहो ..... श्रुतिभिर्विमृग्याम् - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''भेंसला नामक पहाड़ पर बादल छाये हुए हैं।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

२. ''वह तो मैं निर्गुणानंद !''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम

३. ''क्या आप रोज इतनी भूख सहन करते हैं ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. स्वामी ने योग्य-अयोग्य पात्र देखे बिना सबको ज्ञान कहने लगे।
२. वरताल सभा में महाराज व्याकुल हो रहे थे।
३. उगा खुमाण ने कृपानंद स्वामी के साथ के संतवृद का अपमान किया।
४. महाराज देवा कुनबी के घर आ गए फिर भी पूछा : 'क्या मूलजी का घर आ गया ?'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( )

गुण : ३	

( )

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. महाराज जमान हुए　　२. मूर्ति में आसक्त　　३. श्रीहरि के साथ प्रथम मिलाप

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ८		नाम

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. कौन से काँटे लग जाय तो निकालना मुश्किल है ? गुण : १

२. महाराज की जूनागढ़ जाने की आज्ञा किसने कौन से ग्रंथ में लिखी है ? गुण : १

३. मूलजी भक्त किस प्रतीक्षा में खेत में काम कर रहे थे ? गुण : १

४. महाराज ने वरताल मन्दिर के महंत पद पर किस को नियुक्त किया ? गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

५. गाँव के पटेल लोग ने किसके नाम पर बैल की जोड़ी समर्पित की ?

गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. निश्चय कराया　　२. रामा हाटी ने पंचव्रत धारण किए

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना: एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. पंचाला में तिलक — गुण : २

(१) ☐ चंदन जैसी मिट्टी के टुकड़े दिए।

(२) ☐ गोपालानंद स्वामी के भाल में तिलक लगाया।

(३) ☐ इनके जैसा कोई भगवान नहीं है।

(४) ☐ मेरे जैसा कोई साधु नहीं है।

२. स्वामी को महंत पदवी प्रदान की — गुण : २

(१) ☐ संवत् १८८३ (२) ☐ संवत् १८९३

(३) ☐ चैत्री पूर्णिमा (४) ☐ पौषी पूर्णिमा

३. बीमार संतों की सेवा में — गुण : २

(१) ☐ हज़ार उत्सवों का फल दूँगा।

(२) ☐ मेरा वचन नीचे नहीं गिरने दिया।

(३) ☐ उन्नीस बार गले लगाया।

(४) ☐ ये तो बहुत बड़े साधु है।

४. भोलानाथ के पुत्र की नामकरण विधि की — गुण : २

(१) ☐ आत्मानंद स्वामी (२) ☐ सहजानंद स्वामी

(३) ☐ स्वरूपानंद स्वामी (४) ☐ रामानंद स्वामी

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **विरक्ति :** महाराज शरदपूर्णिमा उत्सव के बाद सारंगपुर गाँव पधारे। यहाँ आचार्य को बुलाकर उनको पार्षद मंडल की जिम्मेदारी सौंपी और मंडल के साथ शहर शहर भ्रमण करने का महाराज ने आदेश दिया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **सत्संग में अक्षरब्रह्म स्वरूप का प्रवर्तन :** स्वामी ने भिन्न भिन्न मंदिर के कोठारी बनाए, परंतु सच्चा व्यवहार तो सुखानंद स्वामी ने ही किया। वह इसलिए कि गढ़डा में पटेल के विरोध के बावजूद मंदिर का काम पूरा किया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **बालचरित्र :** समयान्तर से धर्मदेव और भक्तिमाता को तीसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम ईच्छाराम। घनश्याम कई बार ईच्छाराम के साथ घंटों तक खेला करते, और कभी कभी कुछ अगम्य बातें भी कर लेते।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **दरिद्रता मिटाई :** उन्होंने गढ़डा आकर स्वामी से प्रार्थना की तब दयालु स्वामीश्री ने उनको घर से थोड़े चने और मुरमुरे लेकर आने को कहा। घर के बाहर उसका पारसी मित्र सोराबजी मिल गया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **निर्मानिता :** महाराज रथ में नहीं बैठे, यह समाचार राजा के पास पहुँचा, तो राजा ने पूछा, 'ऐसे तो वे कौन है, और कहाँ के हैं, जिसने चांदी के रथ के सम्मान को ठेल दिया ? और सादी बैलगाड़ी में ही बैठे !!'

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **सद्‌गुरु कौन ? :** श्रीजी महाराज की कृपा से गुणातीतानंद स्वामी दीक्षा के तुरन्त बाद कृपानंद स्वामी के साथ गाँव गाँव विचरण कर रहे थे। एकबार स्वामी जेतपुर आए। यहाँ रात्री के समय कृपानंद स्वामी एक विशाल भवन पर विश्राम करने के लिए पधारे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**